A–0164

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

BAJY (N)-202

गणित ज्योतिष

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (2×19=38)

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. रेखादेश से आप क्या समझते हैं ? इसके महत्व को बताइए।

2. वेलान्तर एवं स्पष्टान्तर क्या है ? समय निर्धारण में इनकी भूमिका

का वर्णन कीजिए।

3. स्वकल्पित उदाहरण द्वारा दशमलग्न साधन कीजिए।

4. स्वकल्पित उदाहरण द्वारा ससन्धिद्वादशभव का साधन कीजिए।

5. योगिनी दशा पर प्रकाश डालिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न (4×8=32)

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. स्वोदयमान के सैद्धान्तिक पक्ष पर प्रकाश डालिए।

2. ग्रन्थोक्त रीति से राहु में सूर्य एवं गुरु में शनि की अन्तर्दशासाधन कीजिए।

3. भयात एवं भभोग का साधन करते हुए दशा साधन में इनकी भूमिका का विवेचन कीजिए।

4. स्वकल्पित उदाहरण द्वारा सूक्ष्मदशा का साधन कीजिए।

5. ग्रन्थोक्त रीति से स्वकल्पित उदाहरण द्वारा दिनमान साधन कीजिए।

6. आधुनिक समय स्थानीय समय के महत्व का प्रतिपादन कीजिए।

7. स्पष्टक्रान्ति साधन के सैद्धान्तिक पक्ष पर प्रकाश डालिए।

8. पूर्व एवं पश्चिम नत से आप क्या समझते हैं ?

****